Teacher's Manual

GRADE 2
FOUNDATIONAL STAGE

Tanquiri.AI

हिंदी

MASTERMIND

हिंदी कक्षा-2

पाठ-1 सुंदर देश हमारा

(क) 1. ब 2. ब 3. स (ख) 1. रुप 2. टकराते 3. चरण 4. सफल (ग) 1. हमारा देश सभी देशों में सबसे प्यारा देश है। 2. उत्तर में बादल हिमालय पर्वत से टकराकर जल बरसाते हैं। 3. उत्तर में खड़ा हिमालय, दक्षिण में लहराता सागर और प्रकृति धरती का रुप निखारते हैं। 4. गंगा की पावन धारा सबके कष्टो को हरती है और धरती को सींचती है। 5. हमें अपने जीवन को सफल बनाने के लिए अपनी मातृभूमि की सेवा करनी चहिए। (घ) उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम।

व्याकरण एवं भाषा बोध- 1. v 2. iii 3. iv 4. i 5. ii

पाठ-2 आलसी चुहियाँ

(क) 1. ब 2. स 3. स (ख) 1. गेहूँ 2. मुर्गा 3. कचौड़ियाँ 4. कान 5. काम से जी चुराने (ग) 1. iii 2. iv 3. i 4. ii (घ) 1. मुर्गे ने 2. दोनो चहियों ने 3. मुर्गे ने 4. चुहियाँ ने (ङ) 1. झोपड़ी में एक लाल कलगी वाला मुर्गा और दो चुहियाँ रहती थी। 2. लाल कलगी वाले मुर्गे को गेहूँ की बालियाँ मिली। 3. मुर्गे ने दाने निकालने के लिए चुहियों को कहा। 4. कचौड़ियाँ मुर्गे ने बनाई। 5. कचौड़ियाँ बनाने में चुहियों ने मुर्गे की कोई मदद नहीं की परन्तु खाने के लिए आ गई इसलिए मुर्गे ने दोनों को कान पकड़कर बाहर निकाल दिया।

व्याकरण एवं भाषा बोध- (क) (i). मुर्गे (ii). झोपड़ियाँ (iii). चुहियाँ (iv). बालियाँ (ख) (i). मुर्गी (ii). चूहा (iii). गाय (iv). कुतिया (ख) 1. गर्ग, गार्गी 2. मक्की, लक्की 3. लस्सी, अस्सी (ग) 1. **चूहा-** चूँ-चूँ 2. **चिड़िया-** चीं-चीं 3. **बकरी-** में-में 4. **मुर्गी-** कुकडूँ-कूँ 5. **गाय-** माँ-मा, 6. **गधा-** ढेंचू-ढेंचू

पाठ-3 रेलगाड़ी की आत्मकथा

(क) 1. ब 2. अ 3. स (ख) 1. जेम्स वॉट 2. शक्ति 3. इंजन 4. डीजल, 4. डीजल, बिजली 5. माल मालगाड़ी (ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓ 6. ✓ (घ) 1. रेलगाढ़ी के इंजन का आविष्कार जेम्स वॉट ने किया। 2. भाप के जोर से जब डिब्बा हिला तब भाप में शक्ति होने का पता चला। यह घटना तब हुई जब जेम्स वॉट ने चाय बनाने के लिए पानी का पतीला आग पर रखा। 3. भाप से चलने वाले इंजन में कोयला जलाया जाता है। 4. रेलगाड़ी भाप, बिजली व डीजल से चलाई जाता है। 5. तेज गति से चलने वाली गाड़ी शताब्दी एक्सप्रेस के नाम से जानी जाती है। 6. आजकल रेलगाड़ी में यात्रा करना बहुत आरामदायक हो गया है।

व्याकरण एवं भाषा बोध- (क) 1. अब्बू, धब्बा 2. बच्चा, सच्चा 3. सत्ता, भत्ता (ख) 1. रोज 2. सफर 3. वेग 4. जरूर 5. सामर्थ्य 6. रचना।

पाठ-4 लकड़हारे की बुद्धिमानी

(क) 1. स 2. अ 3. अ (ख) 1. मोहित 2. लकड़हारे 3. डर 4. दाँतो, पंजों 5. जानवर, शादी (ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓ (घ) 1. ii 2. v 3. iv 4. iii 5. i (ङ) 1. शेर ने लकड़हारे से 2. लकड़हारे ने शेर से। (च)

1. लकड़हारा चंपकवन के निकट एक गाँव में रहता था। 2. शेर ने लड़की को जंगल में देखा था। 3. शेर ने लकड़हारे के घर आकर सुन्दरी से विवाह करने के लिए कहा। 4. लकड़हारे ने शेर से कहा कि यदि तुम अपने पंजो व दाँतो को निकाल दो तो उसकी बेटी शेर से विवाह कर लेगी। लकड़हारे ने शेर से कहा कि अब मुझे तुमसे डरने की आवश्यकता नहीं है। 5. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि बुद्धिमानी से किसी भी समस्या को सुलझाया जा सकता है।

व्याकरण एवं भाषा बोध– (क) 1. लड़कियाँ, लकड़हारे, लाठियाँ, पुत्रियाँ। 2. शेरनी, लड़का, पुत्र, पत्नी। (ख) 1. सिंह, वनराज 2. मानव, जीव 3. जंगल कानन, 4. सुता, बेटी

पाठ–5 आगे आओ!

(क) 1. ब 2. अ 3. स (ख) 1. वीरो की लीक है सदैव आगे बढ़ना। 2. तुम अपने पथ से अनजान हो। 3. यदि हम आज नहीं बढ़े तो कभी भी आगे नहीं बढ़ सकेंगे। 4. हाँ। (ग) 1. है ठीक नहीं, वीरो की यह। 2. बढ़ोगे, तो बढ़ न सकोगे।

पाठ–6 दीपावली का त्योहार

(क) 1. ब 2. ब 3. ब (ख) 1. दीपावली 2. श्रद्धा, उत्साह 3. श्री कृष्ण, असुर 4. धनतेरस 5. मित्रों, परिचितों। (ग) 1. दीपावली शरद ऋतु में कार्तिक मास की अमावस्या के दिन मनाया जाता है। इसी दिन भगवान राम ने रावण को मारा था इसी खुशी में यह त्यौहार मनाया जाता है। 2. इस दिन माता लक्ष्मी व गणेश भगवान की पूजा करते हैं। 3. श्री कृष्ण जी ने इस दिन नरकासुर नामक असुर को मारा था। 4. दीपावली को प्रकाश का त्यौहार भी कहा जाता है। 5. लोग इस त्यौहार पर घरों मे मिठाइयाँ, फल और खील-बताशे भिजवाते हैं। 6. लोग जुआ ये समझकर खेलते हैं कि यदि इस दिन जीत गए तो वर्ष-भर भाग्यशाली रहेंगें।

व्याकरण एवं भाषा बोध– (क) 1. यह 2. ये 3. वह 4. वे 5. यह (ख) 1. त्यौहार 2. रोशनी 3. सर्दी 4. राक्षस 5. निशा 6. ईश्वर।

पाठ–7 प्राणी-रक्षा

(क) 1. ब 2. अ 3. स (ग) 1. व्यक्ति 2. दूध 3. बीमार 4. गाय 5. धर्म (ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ (घ) 1. अकबर, 2. दो सौ रूपये, 3. गाय माता के समान होती है, 4. क्योंकि वह हमें दूध देती है और हमरा पालन-पोषण करती है।, 5. उसने कहा कि मेरे जीवित रहते कोई इस गाय को नहीं काट सकता।, 6. गाय से हमें दूध, दही, घी, मक्खन और खाद आदि प्राप्त होते हैं।

व्याकरण एवं भाषा बोध– (क) दुग्ध, पवित्र, मगर, (ख) व्यर्थ- सार्थक, झगड़ा- मेल, संतुष्ट- असंतुष्ट, समस्या- समाधान, इन्कार- स्वीकार, क्रोध- शांति, प्रसन्न- दुःखी।

(ग)

स्त्रीलिंग	पुल्लिंग
गाय	अकबर
बकरी	लेखक
लड़की	सेठ
स्त्री	बेटा
रानी	शिष्य

पाठ–8 चन्द्रमा की इच्छा

(क) 1. अ 2. स (ख) 1. फाड़ 2. खुले बदन 3. चुपचाप 4. कमीज 5. नोंच गए! (ग) 1. ✗ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✓ (घ) 1. बच्चे ने चाँद से उसका हाल पूछा और उससे बातें कीं। 2. नही 3. चाँद को नई कमीज सिलवाने की इच्छा है। 4. चाँद कह रहा है कि वह कल आएगा और नई कमीज सिलवाएगा!

(ङ) 1. धरती से आते थे, कुछ लोग।
का गये ऐसा अजब प्रयोग

2. छत पर लेटा था, कल रात।
करता रहा चाँद से बात।

3. मैंने पूछा उसका हाल।
बोला होकर वो बेहाल।

4. शायद कल तुम आओगे!
नई कमीज सिलवाओगे!

व्याकरण एवं भाषा बोध– (क) कुर्ता, पूछा, धरती, चुप (ख) दिन– रात, रात–दिन, ऊपर–नीचे, कल–आज, धरती–आकाश, सुबह–शाम (ग) **दिन–** दिवस, दिवसकाल, प्रभात **चाँद–** चन्द्र, शशि, इदुं **धरती–** पृथ्वी, भूमि, धरा **शरीर–** तन, देह, काया **कपड़ा–** वस्त्र, वसन, परिधान

पाठ–9 रोगों से बचाव

(क) 1. स 2. अ 3. स (ख) 1. लाल दवा 2. उबालकर 3. स्वास्थय 4. पैदा 5. बासी (ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗ (घ) 1. स्वास्थ्य कर्मचारी नालियों व गंदगी वाली जगहों पर डी० डी० टी० पाउडर का छिड़काव कर रहे थे। 2. बिमारियाँ गंदगी से फैलती हैं। 3. साफ–सफाई रखने से गंदगी में पैदा होने वाले कीटाणु का जन्म नहीं होता और न ही बिमारियाँ फैलती हैं। 4. हमें सदैव ताजी व ढकी हुई चीजें ही खानी चाहिए। 5. कुआँ और तालाबों में लाल दवा डाली जाती है। 6. स्वस्थ रहने के लिए हमें अपने आस–पास सफाई रखनी चाहिए।

व्याकरण एवं भाषा बोध– (क) 1. ज्यादा 2. ताजा 3. छोटा 4. साफ 5. अंत 6. अस्वस्थ (ख) 1. की 2. के 3. को 4. का।

पाठ–10 रोहन की मातृभक्ति

(क) 1. स 2. ब 3. अ (ख) 1. रोहन 2. बीमार 3. मुस्कान 4. रात 5. जियो (ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓ (घ) 1. माँ ने रोहन से 2. रोहन ने माँ से 3. माँ ने रोहन से 4. रोहन ने माँ से 5. माँ ने रोहन से (ङ) रोहन एक आज्ञाकारी लड़का था। 2. रोहन की मम्मी को बुखार हो गया था। 3. मम्मी ने जागने पर देखा कि रोहन मम्मी के सिरहाने पानी का गिलास लेकर खड़ा था। 4. जब मम्मी जागी तो उन्होनें रोहन को पानी का गिलास हाथ में लिए खड़ा देखा तो उनकी आँखों से आँसू छलक पड़े। 5. मम्मी ने कहा जहाँ तुम जैसा मातृभक्त बेटा हो वहाँ बुखार कैसे रह सकता है।

व्याकरण एवं भाषा बोध– (क) 2. दिन–रात 3. भीतर–बाहर 4. प्रेम–घृणा 5. भारी–हल्का (ख) 2.

रसोईघर 3. जन्मदिन 4. दिनभर 5. मातृभक्त 4. अनजान।

पाठ-11 सुखी परिवार

(क) 1. स 2. ब 3. अ (ख) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ (ग) 1. जैसे लेखक के परदादा जी अपने माता-पिता की अकेली सन्तान थी लेकिन उसके दादा जी को 6 बच्चे थे चार बेटे और दो बेटियाँ। इस प्रकार छोटा परिवार बड़ा बन जाता है। 2. जब तक लेखक के परदादा जी जीवित रहे तब तक सारा परिवार एक साथ रहा। 3. लेखक के मँझले दादा जी बड़े पापा हैं। 4. पिताजी हर दूसरे दिन दोनों बहन-भाई को कहीं न कही घूमाने ले जाते थे। 5. दादी जी राजा-रानी, रामायण, महाभारत और परियों की कहानियाँ सुनाया करती थी। (घ) नेहा, अमिता, लता।

व्याकरण एवं भाषा बोध- (क) देहांत-मरण, पूर्वज-वंशज, ग्रामीण-गाँव वाले। (ख) दुखपूर्वक, शांतिपूर्वक, क्रोधपूर्वक (ग) 2. संतानें 3. अकेले 4. बेटे 5. बहनें 6. कहानियाँ (घ) 1. हमें माता-पिता की बात अवश्य माननी चाहिए। 2. स्वस्थ रहना सुखी जीवन का मूल है। 3. संगठन में एकता है। 4. रात की कहानी सुनने का आनंद ही अलग है।

पाठ-12 हमारा गणतंत्र दिवस

(क) 1. अ 2. स 3. ब (ख) 1. 26 जनवरी 2. 15 अगस्त 3. चार 4. प्रारम्भ 5. देश की रक्षा (ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✗ (घ) 1. गणतन्त्र दिवस प्रत्येक वर्ष की 26 जनवरी को मनाया जाता है। 2. गणतंत्र दिवस के दिन संविधान को लागू करके भारत को पूर्व प्रभुसत्ता सम्पन्न राष्ट्र घोषित किया गया था। 3. पूर्न स्वराज्य का प्रस्ताव सन् 1930, 26 जनवरी को रावी के तट पर पारित हुआ था। 4. हमारा देश 15 अगस्त 1945 को आजाद हुआ। 5. पंडित नेहरु भारत के प्रथम प्रधानमंत्री और डॉ० राजेन्द्र प्रसाद प्रथम राष्ट्रपति बने। 6. गणतंत्र दिवस के दिन प्रात:काल सभी विद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं व बच्चों को मिठाइयाँ बाँटी जाती है।

व्याकरण एवं भाषा बोध — (क) 1. भारतीयों ने कई वर्ष गुलामी में जीवन बिताया। 2. 15 अगस्त 1947 को हमें आजादी मिली। 3. अंग्रेज भारतीयों पर अत्याचार करते थे। 4. 26 जनवरी को हम गणतंत्र दिवस मनाते हैं। (ख) 1. रावी, डॉ० राजेन्द्र प्रसाद, भारत 2. हम, इस, अपनी 3. चार घोड़े की बग्गी, उमंग, धूमधाम

पाठ-13 वास्तविक श्रेष्ठता

(क) 1. ब 2. स 3. स (ख) 1. लगातार 2. आश्चर्य 3. अच्छी 4. समस्या 5. बुद्धिमान (ग) 1. बुधिया ने पंडित जी ने 2. बुधिया ने पंडित जी से 3. पंडित जी ने बुधिया से 4. पंडित जी ने बुधिया से 5. बुधिया ने पंडित जी से। (घ) 1. बुधिया किसी न किसी बात पर हर व्यक्ति की निंदा करता था यही उसमें बुराई थी। 2. बकरी को केवल हरी-हरी घास ही अच्छी लगती थी। 3. बुधिया ने हरा चश्मा बकरी की आँखों पर इसलिए लगाया ताकि बकरी को सूखी घास भी हरी-हरी लगे। 4. पंडित जी ने बुधिया को कहा यदि तुम भी अपनी आँखो पर अच्छाई का चश्मा लगा लो तो वो लोग भी तुम्हें अच्छें लगने लगेंगे जो तुम्हें बुरे

लगते हैं। 5. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि स्वयं को श्रेष्ठ समझने पर हम श्रेष्ठ नहीं बनते बल्कि श्रेष्ठ वही होता है जिसे अन्य सभी लोग श्रेष्ठ समझे।

व्याकरण एवं भाषा बोध– (क) 1. पुरुष, नर 2. नयन, नेत्र (ख) 1. मूर्ख, 2. रोकर 3. बुरा 4. रात 5. हरी 6. बुराई 7. खोलना 8. औरत।

पाठ–14 तुम क्या बनना चाहोगे?

(क) 1. ब 2. अ 3. स (ख) 1. सागर से गंभीर बनेंगे। तन–मन से बलि जाएंगे। 2. सीने पर हँस खायेंगे। सीना तान डटे रहेंगें। (ग) 1. नन्हें–मुन्ने वीर और धीर बनना चाहते है। 2. भारत माता की रक्षा हेतु बलि जाने के लिए कहते हैं। 3. दनादन गोलियाँ चलने की परिस्थितियों में सीना ताने डटे रहेंगें। 4. यदि पर्वत मार्ग में आए तो बालक उसे ठोकर मार कर ठुकराएँगे। 5. आग, बवडंर, आँधी, बरसात, परिस्थितियों में भी बालक मुस्कुराँएगे।

व्याकरण एवं भाषा बोध– (क) 1. i अहित ii कायर iii विफल iv नीचा v पुराना vi आसमान vii दुख viii बड़ा ix मृत्यु x पुण्य। 2. (i) बहादुर, योद्धा, (ii) गिरि, शैल (iii) सागर, जलधि (iv) जननी, माता (v) शरीर, काया। (ख) 1. बालक बड़े होकर वीर बनेंगे। 2. पर्वत बहुत शक्तिशाली होते हैं। 3. सागर रत्नों की खान है। 4. सैनिक देश की रक्षा करते हैं।

पाठ–15 भाग्य

(क) 1. अ 2. अ 3. ब (ख) 1. दिन 2. कमर 3. कद्दू 4. सोना (ग) 1. ✓ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✗ (घ) 1. ब्राह्म व भाट दोनों ही गरीबी में दिन काट रहे थे। 2. राजा से धन प्राप्त करने की इच्छा से भाट ने ब्राह्मण से राजा के पास चलने के लिए कहा। 3. ब्राह्मण बोला देगा तो कपाल क्या करेगा गोपाल। 4. राजा ने ब्राह्मण को एक–एक मुट्ठी दाल, चावल, नमक दिया और भाट को एक सेर घी, चावल और एक बड़ा सा कद्दू दिया। 5. भाट को लगा कहीं कद्दू खाकर उसकी कमर में फिर से दर्द न होने लगे इसलिए उसने कद्दू ब्राह्मण को देकर उससे दाल ले ली।

व्याकरण बोध– (क) 1. (i) नारी (ii) रानी (iii) सेविका 2. (i) अमीरी (ii) असहमत (iii) सवेरा (iv) दूर।

पाठ–16 गिलहरियों का जीवन

(क) 1. अ 2. ब 3. स (ख) 1. व्यक्ति–अतुल, झलक, वस्तु–अखरोट, मूँगफली, स्थान–बगीचा, घर (ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓ (घ) 1. झलक ने अतुल से 2. अतुल ने झलक से। (ङ) भाई का नाम अतुल और बहन का नाम झलक था। 2. अतुल और झलक बगीचे में खेल रहे थे। 3. अतुल ने एक गिलहरी देखी। 4. अतुल ने गिलहरी हो एक अखरोट दिया। 5. गिलहरियाँ पेड़ पर रहती हैं।

व्याकरण एवं भाषा बोध– रह–रहा, रहें / चल–चला, चलें / चढ़–चढ़ा, चढें / रुक–रुका, रुकें/ हँस–हँसा, हँसें।

पाठ–17 मनमानी का परिणाम

(क) 1. ब 2. ब 3. ब (ख) 1. रसोईघर 2. भाई 3. आग 4. पैर 5. सोनू (ग) 1. iii 2. i 3. v 4. ii 5. iv (घ) 1. रमन को मीठा खाने का शौक था। 2. सोनू झींगूर के छोटे भाई का नाम नन्हें था। 3. नन्हें ने अपने पैर से आग को छूआ जिसके कारण नन्हें का पैर झुलस गया था। 4. सोनू ने शिक्षा दी थी कि आग यदि हम से

जरा भी छू जाएगी तो हम जल जाएँगे। 5. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें अपने बड़ों की कही गई बात को ध्यान में रखना चाहिए।

व्याकरण एवं भाषा बोध– (क) 1. छोटा–बड़ा, 2. नया–पुराना, 3. आना–जाना, 4. पास–दूर, 5. बड़ी–छोटी, 6. शाम–सुबह, 7. दुख–सुख, 8. फायदा–नुकसान, 9. आज–कल, 10. अच्छा–बुरा। (ख) 1. राहुल, भगत, सूरज, आहना 2. ब्राह्मण, क्षत्रिय, शूद्र, वैश्य 3. नमक, दाल, पैसा, चीनी 4. राजस्थान, सहारनपुर, मेरठ, गुजरात 5. उदास, खुश, दुख, नाराज (ग) 1. छूना, 2. पसंद, 3. जख्म, 4. अपूर्व, 5. स्वादिष्ट, 6. परेशान

पाठ–18 हिमालय

(क) 1. स 2. अ 3. ब (ख) 1. बता रहा है, डरो न आँधी। अपने पथ पर, सब कठिनाई 2. अपने प्रण से, तो, सब कुछ पा सकते। ऊंचे उठ सकते हो, छू सकते हो नभ। (ग) 1. हिमालय हमें अपने प्रण पर अडिग रहना, अपने पथ पर अचल खड़े होना, आँधी–पानी से न डरना सिखाता है। 2. यदि हम अपने प्रण से न डिगे तो हम सब कुछ पा सकते हैं। 3. जो मुसीबत में डट कर खड़ा रहता है उसी को जग में सफलता मिलती है। 4. हिमालय से हम अचल रहने की सीख लेते हैं। 5. सोहनलाल द्विवेदी कविता के रचनाकार है।

व्याकरण एवं भाषा बोध– (क) 1. ह् + इ + म् + आ + ल् + अ + य् + अ 3. त् + ऊ + फ् + आ + न् + ई 4. अ + च् + अ + ल + अ 5. द् + ए + ख् + ओ (ख) 2. रात और दिन 3. आज और कल 4. राधा और कृष्ण 5. आँधी और तूफान

पाठ–19 कोयल

(क) 1. अ 2. ब 3. स (ख) 1. काला 2. कूली 3. सफेद 4. वृक्षवासी 5. कला (ग) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓ (घ) 1. कोयल का विशेष स्वर केवल बसंत ऋतु में सुना जा सकता है। 2. कोयल को घोंसला बनाने का कला नहीं आती। 3. कोयल कौए के घोंसला में अंडे देती है। 4. कोयल को असम राज्य में कूली नाम से जाना जाता है। **व्याकरण एवं भषा बोध–** 1. v 2. i 3. iv 4. iii 5. ii